Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Final Hindi

Subject: I- आधुनिक काव्य   Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

Q2 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य–सौन्दर्य को प्रतिपादित कीजिए।

Q3 'नदी के द्वीप' कविता में कवि का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

Q4 गजानन माधव मुक्तिबोध के काव्य–वैशिष्टय को स्पष्ट कीजिए।

Q5 'नागार्जुन जन कवि हैं' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 छायावाद की विशेषताएँ लिखिए।

Q2 कामायनी के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए।

Q3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

Q4 प्रयोगवाद की विशेषताएँ लिखिए।

Q5 गजानन माधव मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' का भाव–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Final Hindi

Subject: II- आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी संग्रह, नाटक) Maximum Marks : 30

निर्देश–
1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 होरी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
Q2 हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा पर प्रकाश डालिए।
Q3 नाट्य तत्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' की समीक्षा कीजिए।
Q4 मोहन राकेश के कृतित्व का मूल्यांकन कीजिए।
Q5 'लालपान की बेगम' कहानी की समीक्षा कीजिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 'गोदान कृषिजीवी समाज के अंतर्विरोधों की व्यथा कथा है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
Q2 'चरित्र–चित्रण की दृष्टि से आधे–अधूरे'–एक सफल नाटक हैं' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
Q3 'अनामदास का पोथा' उपन्यास के नायक की चारित्रिक विशेषताऐं लिखिए।
Q4 डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी साहित्य–साधना पर प्रकाश डालिए।
Q5 'कफन' कहानी की समीक्षा कहानी–कला के तत्वों के आधार पर कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
M.A. Final Hindi

Subject: III- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा Maximum Marks : 30

निर्देश–
1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 भाषा की परिभाषा लिखिए। भाषा के सामान्य लक्षणों को निरूपित कीजिए। **अथवा** ''स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ'' विषय पर एक लेख लिखिए।

Q2 वाक्य किसे कहते हैं? उसके विभिन्न भेदों पर प्रकाश डालिए। **अथवा** साहित्य के अध्ययन में भाषा–विज्ञान के अंगों की क्या उपयोगिता है? स्पष्ट कीजिए।

Q3 अर्थ–परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए। **अथवा** रूप–विज्ञान के स्वरूप पर विचार करते हुए उसकी महत्ता का निरूपण कीजिए।

Q4 ''प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ'' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत कीजिए। **अथवा** हिन्दी की उपभाषाओं का परिचय दीजिए।

Q5 राष्ट्रभाषा से क्या तात्पर्य है? राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विवेचन कीजिए। **अथवा** देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 ''भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति'' पर एक निबंध लिखिए। **अथवा** स्वन परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

Q2 अर्थ की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए शब्द और अर्थ के संबंधों को निरूपित कीजिए। **अथवा** आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Q3 पश्चिमी हिन्दी और पूर्वी हिन्दी के गठन में क्या अंतर है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **अथवा** हिन्दी के उपसर्गों एवं प्रत्ययों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

Q4 हिन्दी भाषा के विविध रूपों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। **अथवा** 'हिन्दी की संवैधानिक स्थिति' पर एक निबंध लिखिए।

Q5 हिन्दी की काव्य–रचना में पदक्रम और अन्विति का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए। **अथवा** वैज्ञानिक लिपि के गुण–दोषों के आधार पर देवनागरी लिपि की समीक्षा कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Final Hindi

Subject: IV- हिन्दी निबंध एवं आलोचना साहित्य Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 आप साधू हैं, आपको दुनियादारी समझ में नहीं आती। दरख्वास्तें पेपर–वेट से नहीं दबतीं। सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

Q2 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी की निबंध–कला की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

हिन्दी–निबंध के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

Q3 'क्रोध' की सामाजिक उपयोगिता का विवेचन करते हुए क्रोध और बैर का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Q4 विद्यानिवास मिश्र के ललित–निबन्ध ''ऑगन का पंछी'' का सार लिखिए।

Q5 शैली विज्ञान के लक्षणों को संक्षेप में लिखिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 'जरा और मृत्यु ये दोनों जगत के चिर परिचित प्रमाणिक सत्य हैं'– सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

Q2 डॉ0 नगेन्द्र के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी के निबन्धों की विशेषताएँ लिखिए।

Q3 'डॉ0 नामवर सिंह' के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।

Q4 बालकृष्ण भट्ट के 'आत्मनिर्भरता' निबन्ध के मूल आशय लिखिए।

Q5 आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने निबन्ध–साहित्य में मनुष्य को महत्व दिया है, उनके निबन्ध 'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है' के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।